Title : Regarding damage caused to crop due to disease in eastern U.P and Bihar.

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर) :सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार का ध्यान पूर्वी उत्तर प्रदेश की दो महत्वपूर्ण बीमारियों की ओर दिलाना चाहता हूं। पूर्वी उत्तर प्रदेश के गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज, देवरिया, सिद्धार्थनगर तथा आस-पास के सम्पूर्ण जनपदों में इस समय दो बीमारियां भयंकर रूप से फैली हुई हैं - एक मनुय जनित जापानी इन्सैपलाइट्रिस है जिससे अब तक सम्पूर्ण पूर्वी उत्तर प्रदेश में एक हजार से अधिक मौतें हो चुकी हैं। इसके बावजूद प्रदेश और केन्द्र सरकार की ओर से जो पहल होनी चाहिए, वह अभी तक नहीं हो पाई है। इस संबंध में केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने यहां कहा था कि पांच विाणुजनित बीमारियों के लिए केन्द्र सरकार पूरी तरह मदद करेगी, लेकिन अभी तक कोई मदद नहीं की गई है। दूसरी तरफ वहां की फसल पर इस समय पायरिया नाम का एक कीड़ा लगा हुआ है। गन्ने की 50 लाख हेक्टेयर से अधिक की फसल पायरिया कीट से पूरी तरह नट होने के कगार पर पहुंची हुई है। इसकी रोकथाम के लिए न प्रदेश सरकार की ओर से और न ही केन्द्र सरकार की ओर से कोई व्यवस्था हुई है। वह कीड़ा गन्ने के बाद मकई, धान तथा और भी तमाम प्रकार की फसलों को नट करता जा रहा है। किसान तबाही की ओर जा रहा है। मैं समझता हूं कि उत्तर प्रदेश एकमात्र ऐसा प्रदेश है जहां अभी तक किसानों ने आत्महत्या नहीं की है। अगर पूर्वी उत्तर प्रदेश के किसानों की गन्ने की नकदी फसल नट हो गई, तो वहां का किसान भी आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराट्र के किसानों की तरह आत्महत्या करने के लिए मजबूर हो जाएगा।

इसलिए मेरा आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि पायरिया नाम का जो कीटाणु भयंकर तरीके से फसल नट करता जा रहा है, जिसने लाखों हेक्टेयर की फसल को नट कर दिया है, उसकी रोकथाम के लिए केन्द्र सरकार एक स्पैशल टीम भेजे और जो भी आवश्यक सुविधा हो, वह प्रदेश सरकार को दे। अगर आवश्यकता पड़े तो हवाई छिड़काव करने की व्यवस्था सम्पूर्ण क्षेत्रों में करें।

स्वास्थ्य मंत्री जी ने जापानी इन्सैपलाइट्रिस के बारे में कहा था कि हम इसे केन्द्रीय सूची में लेकर पूरी सहायता देंगे। इन्सैपलाइट्रिस के साथ-साथ पायरिया कीट पर पूर्ण नियंत्रण करने के लिए भारत सरकार पूरी मदद करे। धन्यवाद।